

>

Title: Need to introduce a train between Ratlam/Ujjain and Allahabad via Maksi, Bavaria, Ruthiyai and Guna in Madhya Pradesh.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (गजगढ़): उपाध्यक्ष जी, प्रत्येक व्यक्ति की हार्दिक इच्छा रहती है कि जीवन में जंगा रनान कम से कम एक बार किया जाए। प्रयागराज जोकि अब इलाहाबाद है, हिंदू धर्म में शूद्रालुओं का सबसे पवित्र तीर्थ स्थान है। प्रयागराज संगम महाकुम्भ में रनान हेतु जाने वाले शूद्रालुओं की स्थिति अत्यन्त दयालीय रहती है। ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। महिलाएं एवं लुट्रजिलों एवं बच्चों को अन्यत्र जंवशनों पर जाकर रेलगाड़ियां बदलती पड़ती हैं। इलाहाबाद के लिए सीधी ट्रेन की मांग मेरे संसारीय क्षेत्र की जनता की बहुत पुरानी है। उज्जैन तथा इलाहाबाद दोनों ही सप्तपुरी के नाम से प्रसिद्ध तीर्थ नगरी हैं तथा दोनों को वाया गुना होकर जोड़ने की आवश्यकता है ताकि मवरी-गुना-माणिकपुर रेलखण्ड के दौरान पड़ने वाले रेलवेनों की जनता भी सीधे जुड़ सके। मवरी-झठियाई-गुना-मालखेड़ी-कटनी-माणिकपुर सेत्तशन पथिम मध्य रेलवे का ही सेत्तशन है जिसमें से झठियाई से कटनी तक तो पूर्णतः विद्युतीकृत है तथा कहीं भी इंजन की दिशा बदलने की आवश्यकता नहीं है। पथिम मध्य रेलवे जोन में स्थित संसारीय क्षेत्र गजगढ़ सहित उज्जैन, देवास-शाजापुर तथा गुना संसारीय क्षेत्र के यात्रियों को सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु इन रेल खंडों को जोड़ते हुए एक नवीन रेलगाड़ी रत्नाम-उज्जैन से इलाहाबाद वाया मवरी, व्यावरा, झठियाई, गुना, मालखेड़ी तथा कटनी होकर चलाया जाना अत्यंत आवश्यक है।

अतः आपके माध्यम से मानवीय रेल मंत्री जी से विनम्र निवेदन है कि एक नवीन रेलगाड़ी रत्नाम-उज्जैन से इलाहाबाद वाया मवरी, व्यावरा, झठियाई, गुना होकर चलवाने की कृपा करें।